(25)

This question paper contains 6 printed pages.

Your Roll No. 15/12/17

Sl. No. of Ques. Paper: **124** **H**

Unique Paper Code : **205139**

Name of Paper : **Hindi Language A**

Name of Course : **B.A. (Prog.)**

Semester : **I**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं। किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) मनुष्य को समूह बनाकर रहने की प्रेरणा पशु-जगत के समान प्रकृति से मिली है, इसमें संदेह नहीं, परन्तु उसका क्रमिक विकास विवेक पर आश्रित है, अंध प्रवृत्ति मात्र पर नहीं। मानसिक विकास के साथ-साथ उसमें जिस नैतिकता की उत्पत्ति और वृद्धि हुई उसने उसे पशु-जगत से सर्वथा भिन्न कर दिया। इसी से मनुष्य-समाज समूह-मात्र नहीं रह सका, वरन् धीरे-धीरे एक ऐसी संस्था में परिवर्तित हो गया जिसका ध्येय भिन्न-भिन्न सदस्यों को लौकिक सुविधाएँ देकर उन्हें मानसिक विकास के पथ पर आगे बढ़ाते रहना है।

(अ) प्रस्तुत अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है? इसके लेखक का नाम बताइए।

P. T. O.

(ब) मनुष्य को समूह बनाकर रहने की प्रेरणा कहाँ से मिली है?

(स) मनुष्य-समाज समूह मात्र क्यों नहीं रह सका?

(ख) 16 अगस्त सन् 1781 को काशी डांवाडोल हो रही थी। शिवालय घाट में राजा चेत सिंह लेफ्टिनेंट इस्टाकर के पहरे में थे। नगर में आतंक था। दुकानें बंद थीं। घरों में बच्चे अपनी माँ से पूछते थे— 'माँ, आज हलुए वाला नहीं आया'। वह कहती— 'चुप बेटे!'— सड़कें सूनी पड़ी थीं। तिलंगों की कंपनी के आगे-आगे कुबरा मौलवी कभी-कभी आता-जाता दिखाई पड़ता था। उस समय खुली हुई खिड़कियाँ बंद हो जाती थीं। भय और सन्नाटे का राज्य था। चौक में चिथरूसिंह की हवेली अपने भीतर काशी की वीरता को बंद किये कोतवाल का अभिनय कर रही थी।

(अ) काशी क्यों डांवाडोल हो रही थी?

(ब) चिथरूसिंह की हवेली में कौन बंद था?

(स) राजा चेत सिंह कौन थे?

(ग) विश्व के बड़े-बड़े सूचना संजाल तो हमारी आवाज सुनने से रहे; परन्तु हम अपने सूचना तंत्र से तो बात कर सकते हैं और मांग कर सकते हैं कि वह इस अविश्वासी दौर में अधिक सजगता से अपनी विश्वसनीयता स्थापित करे। हमारे सूचना माध्यमों पर जनता का विश्वास अब भी है, क्योंकि इसका अतीत अत्यंत समर्पित रहा है।

स्वीधनता-आंदोलन काल में लोग घोर कष्ट उठाकर, जेलों की सज़ाएँ भुगतकर भी अखबार निकालते थे। वे सत्य को व्यापक जनसमूह तक पहुँचाना चाहते थे, जनमत बनाना चाहते थे; एक जाग्रत और स्वाधीन चेता प्रजा की सृष्टि करना चाहते थे। उनकी वाणी में विश्वास का बल था। इसलिए छोटे-छोटे, खराब कागज़ पर निकले अखबार मशाल की तरह चारों ओर रौशनी फैलाते थे। आजाद भारत में रेडियो की ख़बरें भी विश्वसनीयता का दर्ज़ा पा चुकी थीं। लेकिन अब बड़े-बड़े अखबार, सुंदर-सुंदर कागज़ों पर, सुंदर-सुंदर तस्वीरों के साथ निकलते हैं। दूरदर्शन में पचासों चैनल चौबीसों घंटे, कथ्य-अकथ्य उगलते रहते हैं। लेकिन जनमानस पर कोई प्रभाव नहीं छोड़ते, कोई प्रतिक्रिया नहीं जगाते।

(अ) प्रस्तुत अनुच्छेद का मुख्य विचार क्या है?

(ब) स्वाधीनता आंदोलन काल में अख़बारों का प्रमुख स्वर क्या था?

(स) हमारे सूचना माध्यम जनमानस पर कोई प्रभाव क्यों नहीं छोड़ पाते? 9+9=18

2. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) हिंदी की भूमिका आज बहुत बड़ी हो गई है— अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(*'भाषा बहता नीर'* निबंध के आधार पर)

(ख) भारतीय समाज के सन्दर्भ में लेखक ने किन-किन दृष्टियों का विश्लेषण किया है ?
(*'बदलता भारतीय समाज'* निबंध के आधार पर)

(ग) 'अस्मिताओं का संघर्ष' के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि जातीयता की पृष्ठभूमि में कौन से तथ्य होते हैं।
(*'अस्मिताओं का संघर्ष'* निबंध पर आधार पर)

(घ) 'साहित्य रचना' के सन्दर्भ में 'आर्यों की शैशवावस्था' से क्या तात्पर्य है ?
(*'साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है'*)

(ङ) समाज की दो आधारशिलायें कौनसी हैं ?
(*'समाज और व्यक्ति'* निबंध से) 12

3. *'सूरज का सातवाँ घोड़ा'* के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) माणिक मुल्ला कहानी किसे मानते थे ?

(ख) लिली की चारित्रिक विशेषताओं पर टिप्पणी कीजिए।

(ग) सत्ती की नजर में माणिक मुल्ला कैसे व्यक्ति थे ?

(घ) सत्ती अपने पास काले बेंत का चाकू क्यों रखती थी ?

(ङ) माणिक मुल्ला किस वर्ग के प्रतिनिधि हैं ?

(च) सूरज का 'सातवाँ घोड़ा' क्यों महत्वपूर्ण है ?

(छ:) घोड़े की नाल जमुना के लिए किस प्रकार सौभाग्य-सूचक सिद्ध हुई ?

(ज) तन्ना अस्वस्थ क्यों रहने लगा ? 10

अथवा

'यात्राएँ' के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) मारीशस की मुख्य भाषा क्या है ? वहाँ अन्य कौन-सी भाषाएँ बोली जाती हैं ?

(ख) केरल प्रदेश अन्य भारतीय प्रदेशों से किस प्रकार भिन्न है ?

(ग) सीयन में इब्सन का घर किन अर्थों में विशिष्ट है ?

(घ) 'सपनों के शिखर तक' में क्यों कहा गया कि 'कुमाऊं को कुमाऊं ही बना रहने दें' ?

(ङ) सिगरी उनसत के व्यक्तित्व पर टिप्पणी कीजिए।

(च) जी० शंकर कुरूप कौन थे ?

(छ:) 'सपनों के शिखर तक' में लेखक ने नैनीताल को 'छोटी विलायत' क्यों कहा है ?

(ज) निकोलस रोरिक की तपोभूमि का क्या नाम था ? लेखक ने उस धरती को पवित्र क्यों कहा ? 10

4. किसी **एक** विषय पर टिप्पणी या परिचर्चा लिखिए:

(क) सिनेमा की भाषा

(ख) विज्ञापन और बच्चे

(ग) दिल्ली की मेट्रो सेवा। 8

5. निम्नलिखित संवाद को कथांश में रूपांतरित कीजिए:

दुलारी ने कहा— "वाह बाबू साहब ! आप ही के लिए तो मैं

यहाँ आ बैठी हूँ, सुनिए न! आप तो कभी ऊपर ....." मौलवी जल उठा। उसने कड़ककर कहा— "चोबदार! अभी वह सुअर की बच्ची उतरी नहीं। जाओ, कोतवाल के पास मेरा नाम लेकर कहो कि मौलवी अलाउद्दीन कुबरा ने बुलाया है। आकर उसकी मरम्मत करें। देखता हूँ तो जब से नवाबी गयी, इन काफिरों की मस्ती बढ़ गयी है।"

कुबरा मौलवी! बाप रे— तमोली अपनी दुकान सम्हालने लगा। पास ही एक दुकान पर बैठकर ऊँघता हुआ बजाज चौंककर सिर में चोट खा गया। इसी मौलवी ने तो महाराज चेतसिंह से साढ़े तीन सेर चींटी के सिर का तेल माँगा था। मौलवी अलाउद्दीन कुबरा! बाज़ार में हलचल मच गयी। नन्हकूसिंह ने मन्नू से कहा— "क्यों, चुपचाप बैठोगे नहीं!" दुलारी से कहा— "वहीं से बाइजी! इधर-उधर हिलने का काम नहीं। तुम गाओ। हमने ऐसे घसियारे बहुत-से देखे हैं। अभी कल रमल के पासे फेंककर अधेला-अधेला माँगता था, आज चला है रोब गाँठने"।

7

6. किसी एक विषय पर टिप्पणी लिखिए:

(क) जनसंचार माध्यम के रूप में इलेक्ट्रानिक मीडिया।

(ख) आगम शैली का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

(ग) आत्मकथा विधा। 8

7. महाविद्यालय में आयोजित सांस्कृतिक समारोह पर एक प्रतिवेदन लिखिए। 6

8. पत्र-लेखन की विशेषताएँ बताइए। 6

(26)

This question paper contains 6 printed pages.

15/12/17

Your Roll No. ....

Sl. No. of Ques. Paper: 125 H

Unique Paper Code : 205140

Name of Paper : Hindi B

Name of Course : B.A. (Prog.)

Semester : I

Duration : 3 hours

Maximum Marks : 75

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं। किन्हीं दो अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उतर दीजिए।

(क) नाम में क्या रखा है— वॉट्स देअर इन ए नेम! नाम की जरूरत ही हो तो सौ दिए जा सकते हैं। सुस्मिता, गिरिकांता, वनप्रभा, शुभ्रकिरीटिनी, मदोद्धता, विजितातपा, अलकावतंसा, बहुत-से नाम हैं। या फिर पौरुष-व्यंजन नाम भी दिये जा सकते हैं— अकुतोभ्य, गिरिगौरव, कूटोल्लास, अपराजित, धरतीधकेल, पहाड़फोड़, पातालभेद! पर मन नहीं मानता। नाम इसलिए बड़ा नहीं है कि वह नाम है। वह इसलिए बड़ा होता है कि उसे सामाजिक स्वीकृति मिली होती है। रूप व्यक्ति-सत्य है, नाम समाज-सत्य है। नाम उस पद को कहते हैं, जिस पर समाज की मुहर लगी है।

(अ) यह अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है? इसके रचनाकार का नाम बताइए।

(ब) 'नाम' से क्या तात्पर्य है?

(स) समाज-सत्य एवम् व्यक्ति-सत्य से लेखक क्या कहना चाहते हैं?

(ख) किसी भी अनौचित्यपूर्ण काम को करने से सदाचारी हृदय के भाव शांत नहीं रह सकते। उस कार्य के समाप्त होने के अनंतर उस हृदय में आंदोलन होता है, दुःख होता है, अशांति उत्पन्न होती है, अनुताप अथवा पश्चात्ताप होता है। मनोवैज्ञानिकों की दृष्टि में अनुताप कुछ भी हो, किंतु हमारे लिए तो अनुताप वह वस्तु है, जो मानव हृदय को उत्तरोत्तर उन्नत करती चली जाती है। स्वीकृति और अनुताप— ये दो वस्तुएँ ऐसी हैं जो हृदय को बल देती हैं।

(अ) उपर्युक्त अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है? इसके रचनाकार का नाम बताइए।

(ब) अनुताप किन परिस्थितियों में जन्म लेता है?

(स) 'जैसा जिसका यन्त्र है'— लेखक क्या कहना चाहते हैं?

(ग) परन्तु बहादुर बहुत ही हँसमुख और मेहनती निकला। उसकी वजह से कुछ दिनों तक हमारे घर में वैसा ही उत्साहपूर्ण वातावरण छाया रहा, जैसा कि प्रथम बार तोता-मैना या पिल्ला पालने पर होता है। सबेरे-सबेरे ही मुहल्ले के छोटे-छोटे लड़के घर के अन्दर आकर खड़े हो जाते और उसको देखकर हँसते या तरह-तरह के प्रश्न करते। 'ऐ, तुम लोग छिपकली को क्या कहते हो?' 'ऐ,

तुमने शेर देखा है?' ऐसी ही बातें। उससे पहाड़ी गाने की फरमाइशें की जातीं। घर के लोग भी उससे इसी प्रकार की छेड़खानियाँ करते थे। वह जितना उत्तर देता था उससे अधिक हँसता था। सबको उसके खाने और नाश्ते की बड़ी फ्रिक रहती।

(अ) उपर्युक्त अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है? इसके रचनाकार का नाम बताइए।

(ब) बहादुर के आगमन पर लेखक के घर में क्या अन्तर आया?

(स) घर के लोग बहादुर को क्या कहकर छेड़ते थे?

9+9=18

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) कुटज के विभिन्न अर्थों को स्पष्ट कीजिए। *(कुटज)*

(ख) अनुताप की जीवन में क्या उपयोगिता है? *(अनुताप की महिमा)*

(ग) डाकू बाल्मीकि का हृदय परिवर्तन कैसे हो गया? *(शुभकामना एक जीवन सत्य)*

(घ) नैतिकता क्या है? समाज में इसका जन्म कैसे होता है? *(नैतिकता का स्रोत)*

(ङ) शहीद रामप्रसाद बिस्मिल का नौजवानों पर क्या प्रभाव पड़ा? *(बिस्मिल का अंतिम संदेश)*

3×4=12

3. '*परख*' उपन्यास के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(क) सत्यधन का स्वभाव कैसा था ?

(ख) सत्यधन के मुख से 'विधवा जी' सुनते ही कट्टो दुःखी क्यों हो गई ?

(ग) भगवद्दयाल के चरित्र की दो विशेषताएँ बताइए।

(घ) बिहारी और कट्टो ने क्या प्रतिज्ञा ली ?

(ङ) बिहारी जोखिम भरा जीवन क्यों जीना चाहता था ?

(च) गरिमा और कट्टो किस प्रकार एक दूसरे से अलग हैं ?

(छः) गरिमा वापस शहर क्यों लौटी ? 5×2=10

अथवा

'*दस तस्वीरें*' पुस्तक के आधार पर किन्ही **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) अमरनाथ झा किस तरह के अध्यापक थे ?
(जीवन निर्माता अध्यापक : अमरनाथ झा)

(ख) शिशिर भादुड़ी ने आजादी के बाद राष्ट्रीय रंगमंच को लेकर अपना दुःख किस प्रकार व्यक्त किया है ?
(मतवाला कलाकार : शिशिर भादुड़ी)

(ग) पुरुषोत्तम मंगेश किस प्रकार के अफसर थे ?
(पुरुषोत्तम मंगेश लाड)

(घ) श्री राम त्राजपेयी की बॉय स्काउटिंग एसोसिएशन किस प्रकार के कार्यों में सक्रिय थी ? *(किशोर जीवन की मुस्कान ही जिसकी साधना थी : श्रीराम वाजपेयी)*

(ङ) लक्ष्मीनारायण माथुर के जीवन का मूल मंत्र क्या था ?
(मेरे पिता : लक्ष्मीनारायण माथुर)

(छः) सच्चिदानन्द का व्यक्तित्व किस प्रकार का था ?
(एक जन्मजात चक्रवर्ती : सच्चिदानन्द सिन्हा)

(ज) बाँसुरी के लिए पन्नालाल घोष ने किस प्रकार की नई शैली प्रदान की ?
(विराट स्वर का विधायक : पन्नालाल घोष)
5×2=10

4. किसी **एक** का पल्लवन कीजिए:

(क) विपत्ति कसौटी जे कसे, ते ही सांचे मीत

(ख) करत करत अभ्यास के .....

(ग) मज़हब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना। 4

5. नीचे दिए गए अवतरण का शीर्षक देते हुए संक्षेपण कीजिए:

साक्षरता वरदान है, निरक्षरता अभिशाप है। साक्षर व्यक्ति सर्वत्र सम्मान पाता है जबकि निरक्षर व्यक्ति पग-पग पर पराजित होता है। साक्षर व्यक्ति समझाने पर सत्संगति के महत्त्व को शीघ्र समझ जाता है और स्वयं को कुसंगति से बचाए रखने का सदा प्रयास करता रहता है। साक्षर व्यक्ति को निरक्षर व्यक्ति की अपेक्षा जीवन में सफलता मिलती है। पढ़ा-लिखा व्यक्ति अपने निजी कार्यों को भी सुचारु रूप से सम्पन्न करवाने में समर्थ हो जाता है। अपनी शिक्षा के बल पर वह दूसरों को शीघ्र प्रभावित कर लेता है। इसके विपरीत अनपढ़ व्यक्ति दूसरों को शीघ्र प्रभावित नहीं कर पाते। 4

6. किसी **एक** विषय पर अनुच्छेद लिखिए:

(क) साक्षरता एक वरदान है

(ख) आज की बचत कल का सुख

(ग) बाजारवाद। 8

7. किसी एक घटना या स्थिति का चित्रण कीजिए:

(क) छात्र संघ चुनाव

(ख) सड़क दुर्घटना। 7

8. कोष्ठक में दिए गए निर्देशों के अनुसार रूपांतरण कीजिए:

(क) विद्यार्थी पुस्तक पढ़ता है। (कर्मवाच्य)

(ख) सुबह की सैर करने से व्यक्ति शरीर से स्वस्थ रहता है और मन से भी स्वस्थ रहता है। (साधारण वाक्य)

(ग) पतंग उड़ा रहा व्यक्ति नीचे गिर गया। (मिश्र वाक्य)

(घ) लड़कियाँ आंगन में नाचेंगी। (भाववाच्य)

(ङ) गरजने वाले बरसते नहीं हैं। (मिश्र वाक्य)

(च) माँ खाना खिलाती है। (कर्मवाच्य) 6

9. दिए गए शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए:

(क) सार्मथ्य, (ख) शारिरीक, (ग) स्तबध 3

10. निम्नलिखित संक्षिप्तों के पूर्ण रूप लिखिए:

(क) वि०वि०

(ख) ना०प्र०स०

(ग) ई०पू०। 3

This question paper contains 4 printed pages.

13/12/17

Your Roll No. .....

Sl. No. of Ques. Paper: **2347** **HC**

Unique Paper Code : **62051102**

Name of Paper : **M.I.L.; Hindi Bhasha Aur Sahitya; Hindi (A)**

Name of Course : **B.A. (Prog.) CBCS**

Semester : **I**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

DESHBANDHU COLLEGE
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) करता था तौ क्यूँ रह्या, अब करि क्यूँ पछताइ।।
बोवै पेड़ बबूल का, अंब कहाँ तैं खाई।।
कबीर इस संसार को, समझाऊं कै बार।
पूँछ जु पकड़ै भेड़ की, उतर्‌या चाहै पार।।

अथवा

म्हारो गोकुल रो बजवासी।।
बजलीला लख जण सुख पावाँ, बजवणताँ सुखरासी।
णाच्याँ गावाँ ताल बजावाँ, पावाँ आणंद हाँसी।

P. T. O.

णन्द जसोदा पुत्र री, प्रगटयाँ प्रभु अविनासी।
पीताम्बर कट उर बैजणताँ, कर सोहाँ री बाँसी।
मीराँ रे प्रभु गिरधर नागर, दरसण दीज्यो दासी।

(ख) वे न इहाँ नागर, बढ़ी जिन आदर तो आब।
फूल्यौ अनफूल्यौ भयौ गँवई-गाँव, गुलाब।।
चल्यौ जाइ, ह्याँ को करै हाथिनु के व्यापार।
नहीं जानतु, इहिं पुर बसैं धोबी, ओड़, कुँभार।।

अथवा

हीन भएँ जलमीन अधीन कहा कछु मो अकुलनि समानै।
नीर सनेही को लाय कलंक निरास ह्वै कायर त्यागत प्रानै।
प्रीति की रीति सु क्यों समझै जड़, मीत के पानि परे कौं प्रमानै।
या मन की जु दसा घनआँनद जीव की जीवनि जान ही जानै।।

(ग) अधिकार खोकर बैठ रहना, यह महा दुष्कर्म है;
न्यायार्थ अपने बंधु को भी दण्ड देना धर्म है।
इस तत्त्व पर ही कौरवों से पाण्डवों का रण हुआ,
जो भव्य भारतवर्ष के कल्पान्त का कारण हुआ।।

अथवा

हिमाद्रि तुंग शृंग से
प्रबुद्ध शुद्ध भारती—
स्वयं प्रभा समुज्ज्वला
स्वतंत्रता पुकारती—

अमर्त्य वीर पुत्र हो, दृढ़-प्रतिज्ञ सोच लो,
प्रशस्त पुण्य पंथ है— बढ़े चलो, बढ़े चलो! 10×3=30

2. किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए:

(क) मीराँबाई

(ख) कबीरदास। 10

3. घनानन्द का प्रेम संबंधी दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

बिहारी की कविता के सौष्ठव पर प्रकाश डालिए। 10

4. 'जयद्रथ वध' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

अथवा

काव्य-कला की दृष्टि से कवि नागार्जुन की कविता का मूल्यांकन कीजिए। 10

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए:

(क) आधुनिक भारतीय भाषाएँ

(ख) हिंदी भाषा का परिचय

(ग) आदिकाल की विशेषताएँ

(घ) निर्गुण भक्ति काव्य धारा की प्रवृत्तियाँ

(च) भारतेन्दुयुगीन कविता

(छ) कथाकार प्रेमचंद।

5×3=15

(98)

This question paper contains 3 printed pages.

Your Roll No. 13/17/17

Sl. No. of Ques. Paper: 2348 **HC**

Unique Paper Code : 62051103

Name of Paper : M.I.L.; Hindi Bhasha Aur Sahitya (B)

Name of Course : B.A. (Prog.) CBCS

Semester : I

Duration : 3 hours

Maximum Marks : 75

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोइ।
एकै आषिर पीव का, पढ़ै सु पंडित होइ।

अथवा

जासु नाम सुमरत एक बारा। उतरहिं नर भवसिंधु अपारा।।
सोइ कृपालु केवटहि निहोरा। जेहिं जगु किय तिहु पगहु ते थोरा।।

(ख) या अनुरागी चित्त की, गति समुझै नहिं कोइ।
ज्यौं ज्यों बूड़ै स्याम रंग, त्यौं त्यौं उज्जलु होइ।।

अथवा

साजि चतुरंग-सैन अंग में उमंग धारि, सरजा सिवाजी जंग
जीतन चलत है।
भूषन भनत नाद-बिहद नगारन के, नदीनद मद गैबरन के
रलत है।
ऐलफैल खैलभैल खलक में गैलगैल, गजन की ठैलपैल
सैल उसलत है।
तारा सो तरनि धूरिधारा में लगत जिमि, थारा पर पारा
पारावार यों हलत है।

(ग) सुधा-धार यह नीरस दिल की
मस्ती मगन तपस्वी की।
जीवन ज्योति नष्ट नयनों की
सच्ची लगन मनस्वी की।।

अथवा

नव गति, नव लय, ताल-छंद नव
नवल कंठ, नव जलद-मंद्ररव
नव नभ के नव विहंग-वृंद को
नव दानव स्तर दे! 10+10+10

2. कबीरदास **अथवा** तुलसीदास का साहित्यिक परिचय दीजिए। 10

3. बिहारी के दोहों **अथवा** भूषण-कृत काव्य का सार लिखिए। 10

4. 'बालिका का परिचय' **अथवा** 'वर दे वीणावादिनी' का काव्य-सौन्दर्य लिखिए। 10

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए:

(अ) आधुनिक भारतीय भाषाएँ : सामान्य परिचय

(ब) अवधी। 5

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए:

(अ) सिद्ध-नाथ साहित्य

(ब) संत-काव्य

(स) प्रगतिवाद

(द) नई कविता। 5+5=10